भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5059 का उत्तर

कोट्टयम रेलवे स्टेशन पर सुविधाएं

5059. श्री थोमस चाज़िकाड़नः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केरल राज्य सरकार की ओर से कोट्टयम रेलवे स्टेशन की सुविधाओं के उन्नयन के संदर्भ में कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्र सरकार की ओर से कोई पूर्व प्रस्ताव कोट्टयम रेलवे स्टेशन की सुविधाओं के उन्नयन के संबंध में समाप्ति हेतु पहले से लंबित पड़ा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

sk

कोट्टयम रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं के संबंध में 24.07.2019 को लोक सभा में श्री थोमस चाज़िकाड़न के अतारांकित प्रश्न सं. 5059 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी नहीं। केरल राज्य सरकार से ऐसा कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। कोट्टायम स्टेशन गैर-उपनगरीय ग्रेड (एनएसजी-3) कोटि का स्टेशन है जहां प्रतिदिन औसत 12319 यात्रियों की सम्हलाई की जाती है। इस स्टेशन पर मानदंडों के अनुसार सभी न्यूनतम अनिवार्य सुख-सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। इसके अलावा, इस स्टेशन को आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित भी किया गया है। बहरहाल, रेलवे स्टेशन का अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य आवश्यकता, यात्री यातायात की मात्रा और पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर शुरु किए जाते हैं जो धनराशि की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

(ग) और (घ): जी हां। स्टेशनों के सॉफ्ट अपग्रेड के एकछत्र कार्य के अंतर्गत कोट्टायम स्टेशन को विकसित किए जाने का कार्य 20.52 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है।

(I) 20.52 करोड़ रुपए में से, 6.98 करोड़ रुपए की लागत वाले निम्नलिखित निर्माण कार्य पहले ही प्रगति पर हैं।

1. **दुपहिया वाहनों के लिए बहु-स्तरीय पार्किंग सेंटर।**
2. **अग्रभाग में सुधार।**
3. **प्लेटफॉर्म नं. 1 में सुधार।**
4. **सम्मिलन क्षेत्र, बुकिंग कार्यालय, आरक्षण कार्यालय में सुधार।**
5. **प्लेटफॉर्म सायबानों की व्यवस्था।**

sk

(II) शेष लागत के लिए निम्नलिखित निर्माण कार्यों की योजना भी है:-

(1) संकेत चिह्नों और यात्री सूचना प्रणाली की व्यवस्था।

(2) इलेक्ट्रिकल व्यवस्थाओं में सुधार।

(3) मौजूदा तीर्थ-यात्री आश्रय स्थल में नए एक्जीक्यूटिव लाउंज का विकास।

(4) दूसरी प्रवेश इमारत का विकास।

(5) दूसरे प्रवेश द्वार पर नए पार्किंग एरिया का विकास।

(6) नए प्रतीक्षालय का विकास।

****

sk